आज़ादी का अमृत महोत्सव

एम.जी.एन.सी.आर.ई. @25
सतत रूप से ग्रामीण लचीलापन का निर्माण

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 03 हैदराबाद सितंबर 2021 8 पृष्ठ रु.5/-

सत्यमेव जयते

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

"युवा 21 वीं सदी के आत्मनिर्भर भारत के पथ प्रदर्शक होंगे। आइए हम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाएं"

*- 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री **श्री धर्मेंद्र प्रधान** ने प्रेरित किया।*

*उत्पादकता बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए कौशल क्षमता का निर्माण महत्वपूर्ण है। श्री प्रधान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारे युवाओं को 21वीं सदी के कौशल से लैस करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.)-2020 में कल्पना की गई थी, सरकार भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने के लिए शिक्षा और कौशल के बीच अधिक तालमेल बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एन.ई.पी. एक मजबूत शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और अंततः आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने में योगदान देगा। **कई समकालीन चुनौतियों का समाधान हमारी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में निहित है** - केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री ने समकालीन समय में पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और प्राचीन ज्ञान की प्रासंगिकता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत परिवर्तनकारी सुधारों के एक वर्ष के समारोहों में से एक है- आत्मनिर्भर भारत बनाने में उनकी भूमिका पर चर्चा की है। श्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से **ऐक वर्षीय नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) - 2020 की उपलब्धियों** के साथ-साथ कुछ प्रमुख पहलों पर पुस्तिका का शुभारंभ किया। ऐन.ई.पी. 2020 जैसे दीक्षा पर निपुन भारत एफ.एल.एन. उपकरण और संसाधन; एन.आई.ओ.एस. का वर्चुअल स्कूल; एन.सी.ई.आर.टी. का वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर; और एन.सी.ई.आर.टी. और विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग द्वारा विकसित 'प्रिया'- एक्सेसिबिलिटी बुकलेट का विमोचन किया गया।*

***उन्होंने एन.ई.पी. 2020 के कार्यान्वयन में अग्रणी होने के लिए कर्नाटक और मध्य प्रदेश राज्यों की** सराहना की।*

स्रोत (pib.gov.in)

***"हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों की उभरती जरूरतों को पहचानने की जरूरत है। नई शिक्षा नीति ने नवाचार और प्रयोग के लिए द्वार खोल दिए हैं।" डॉ विनय सहस्रबुद्धे, सदस्य** और शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल पर संसदीय स्थायी समिति के **अध्यक्ष, और** भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर.) के **अध्यक्ष।** वे इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स (इंडिया) - तेलंगाना स्टेट चैप्टर के सहयोग से ग्रामोदय चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी (जी.सी.ओ.टी.) की पहल **मिशन 5151** पर आयोजित एक राउंड टेबल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।*

एन.ई.पी. 2020 को लचीला और सक्रिय बताते हुए डॉ. सहस्रबुद्धे ने ग्रामीण भारत से निकलने वाले ज्ञान के एकीकरण और गांवों की उभरती जरूरतों को पहचानने का आह्वान किया। जैसे सर्टिफिकेट डिग्री पाठ्यक्रमों को

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एम.जी.एन.सी.आर.ई. संकाय विकास केंद्र भवन का वीडियो उद्घाटन

भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस की शाम संध्या पर श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. संकाय विकास केंद्र का वीडियो उद्घाटन किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने परिषद को ग्रामीण चिंताओं और सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों पर अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया जो ग्रामीण भारत को प्रभावित और लाभान्वित करेंगे। तदनुसार, 25 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं, 25 लघु अनुसंधान परियोजनाओं और 25 पीएचडी फैलोशिप को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा इन प्रमुख परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ विज्ञापित किया गया था।

75वा स्वतंत्रता दिवस
एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि टीम ने अपनी जमीन पर तिरंगा फहराया है

"ग्रामीण जीवन को छूना ही राष्ट्रीय विकास का एकमात्र जोड़ है"

***डॉ. बसुथकर जगदीश्वर राव,** हैदराबाद विश्वविद्यालय के उपकुलपति ने जोर देकर कहा कि उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. की टीम की उपस्थिति में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अपने परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। "अगर हम 70% ग्रामीण भारत में बच्चों को प्रभावित कर सकते हैं तो हम बच्चों की शिक्षा में बदलाव ला सकते हैं। गरीबी को बदलने के लिए शिक्षा ही एकमात्र तर्क है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बच्चे के सीखने के पहले 3 वर्षों पर जोर देती है। आइए हम मूल 70% ग्रामीण आबादी पर काम करें। यह जटिल है लेकिन चलिए शुरुआत करते हैं।" उन्होंने यह भी कहा। हैदराबाद विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. राव ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को इस सफर में संस्थागत, शैक्षिक और नैतिक समर्थन का आश्वासन दिया।*

डिजाइन करना **स्कल प्रबंधन, विश्वविद्यालय प्रबंधन, जिसमें 'गाय या भैंस दूध देना' जैसे ग्रामीणों** के लिए एक शामिल है, संस्थानों के प्रबंधन और ग्रामीण जरूरतों को पूरा करने में सहायता करेगा।

"इस तरह के आला कौशल विकास डिग्री पाठ्यक्रम ग्रामीणों को आदर, सम्मान और सामाजिक स्वीकृति देंगे और देश की प्रगति के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई सामाजिक-आर्थिक कारकों के कारण टूटते पारिवारिक और सामाजिक संबंधों के इस समय में हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में गांवों को फिर से जीवंत करने की आवश्यकता है। यदि गाँव उखड़ जाते हैं, तो हमें टूटते हुए समाज को देखने में देर नहीं लगेगी। गांवों की ललित कला, लोक कला, सांस्कृतिक कला और शिल्प कला को किसी भी कीमत पर संरक्षित किया जाना चाहिए। आत्मनिर्भर गांवों को उनकी अनौपचारिक कला और कौशल के लिए औपचारिक मान्यता देने की आवश्यकता है और उन्हें उचित महत्व दिया जाना चाहिए" डॉ सहस्रबुद्धे ने जोर दिया। विशिष्ट श्रोताओं में गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो.आर. लिंबाद्री, अध्यक्ष तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टी.एस.सी.एच.ई.), डॉ.बी. प्रताप रेड्डी अध्यक्ष मिशन 5151, प्रो. रमना नाइक बनोथू, अध्यक्ष आई.ई.आई.टी., एम. श्रीनिवास रेड्डी, मैनेजिंग ट्रस्टी मिशन 5151, डी. वसंत, ट्रस्टी मिशन 5151 और संस्थापक जी.सी.ओ.टी., टी. अंजैया, सचिव आई.ई.आई.टी., डॉ.डी. हनुमंत चारी अध्यक्ष ग्रामीण विकास मंच आई.ई.आई. और कई प्रख्यात शिक्षाविद और तेलंगाना में विश्वविद्यालयों के कुलपति, जिनमें अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार शामिल हैं।

संपादक की टिप्पणी

"टीम वर्क कार्य को विभाजित करता है और सफलता को कई गुना बढ़ा देता है।" मैं इस कथन की पुरजोर वकालत करता हूँ क्योंकि हमने अपने ही परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लंबे समय से पोषित सपने को साकार किया है।

भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस की शाम को उद्घाटन वीडियो द्वारा एम.जी.एन.सी.आर.ई. की संकाय विकास केंद्र के वीडियो उद्घाटन के लिए मैं श्री धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय शिक्षा मंत्री को धन्यवाद देता हूं। वर्तमान महामारी की स्थिति के कारण भौतिक उद्घाटन को टाल दिया गया था। ग्रामीण सरोकारों और सरकारी परियोजनाओं पर अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने पर उनके जोर की सराहना की गई है। तदनुसार, 25 प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं, 25 लघु अनुसंधान परियोजनाओं और 25 पी.एच.डी. फैलोशिप को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा इन प्रमुख परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ विज्ञापित किया गया था।

75वें स्वतंत्रता दिवस और एम.जी.एन.सी.आर.ई. की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर, यह हमारे लिए गर्व का क्षण था क्योंकि हमने जे.एन.वी. कैंपस, गच्चीबौली, हैदराबाद में अपने ही मैदान में तिरंगा फहराया। मुख्य अतिथि डॉ. बसुथकर जगदीश्वर राव, हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति ने रजिस्ट्रार यू.ओ.एच. श्री सरदार सिंह और हमारी टीम की उपस्थिति में सम्मान किया।

जैसा कि प्रो. राव ने कहा, "3000 शहरी शासन इकाइयों में प्रयास पूरे भारत के लिए नहीं होंगे। 7 लाख ग्रामीण पंचायत इकाइयों के प्रयासों से भारत का बड़ा हिस्सा बनेगा और सशक्त होगा और निश्चित रूप से संपूर्ण ग्रामीण भारत को कवर करेगा। हमें पैमाने बढ़ाने की जरूरत 3000 शहरी शासन इकाइयों में प्रयास पूरे भारत के लिए नहीं होगा। 7 लाख ग्रामीण पंचायत इकाइयों के प्रयासों से भारत का बड़ा हिस्सा बनेगा और सशक्त होगा और निश्चित रूप से पूरे ग्रामीण भारत को कवर करेगा। मैं प्रो. राव को उनके प्रेरक भाषण और ग्रामीण विकास की सफर में एम.जी.एन.सी.आर.ई. को समर्थन के उनके आश्वासन के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं देश को 75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ! हमने ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले कई प्रमुख कार्यक्रम संचालित किए हैं, जिनसे मंत्रालय प्रभावित हुआ है। मंत्रालय ने हमारे द्वारा किए गए विशाल प्रभावशाली कार्यों को देखते हुए हमें प्रोत्साहित करने और मजबूत करने का वादा किया है। देश भर के अनुसंधान विद्वान ऐसे अध्ययन कर रहे हैं जो ग्रामीण आजीविका को प्रभावित करते हैं। इसी संदर्भ में हम अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। एक छोटे से संकाय विकास केंद्र से हम एक बहु कार्यक्रम संगठन बन गए हैं। हमने 14000 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ काम किया है। हमारी टीम ने इस महामारी के समय में देश भर के राज्यों में भारत के नागरिकों को मनोसामाजिक समर्थन और मार्गदर्शन सहित सेवाएं दी हैं।

हम भारत के सभी जिलों में 400 उच्च शिक्षा संस्थानों को ग्रीन चैंपियन अवार्ड्स से भी सम्मानित कर रहे हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय के साथ काम करने से हमें विशेष गौरव और प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि यह एक उत्कृष्ट संस्थान भी है। यह हमारे लिए गच्चीबौली हैदराबाद में एम.जी.एन.सी.आर.ई. संकाय विकास केंद्र के निर्माण में शामिल श्रमिकों को सम्मानित करने का भी एक अवसर था।

मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. के कार्यालय के निर्माण में योगदान देने के लिए सभी कार्यकर्ताओं और टीम के सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ। मैं उच्चतर शिक्षण संस्थानों को सामुदायिक जुड़ाव और स्वच्छता पहल में भाग लेने में सक्षम बनाने में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सभी संसाधन व्यक्तियों और स्टाफ सदस्यों के प्रयासों की सराहना करता हूँ। हम अपनी उत्साही और प्रेरित टीम के साथ भारत के सभी राज्यों में धूम मचाने में सक्षम हैं जो संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं।

निर्धारित 400 में से 385 "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम आज तक ऑनलाइन आयोजित किए गए हैं, जिसमें जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट / आयुक्तों ने विजेता संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए।

डाइट में 191 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं जहाँ छात्र-शिक्षकों ने व्यावसायिक शिक्षा और एन.ई.पी. 2020 के कार्यान्वयन पर काम करने के प्रति अपने दृष्टिकोण में उत्साह दिखाया है। कार्यशालाओं में चर्चा नई तालीम और विषय पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षा के विषय और विभिन्न विषय पद्धति के उपकरणों के उपयोग के आसपास रही है।

देश भर में 832 उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने 22 अगस्त को "वृक्ष रक्षा बंधन" मनाया, जो कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. के पेड़ों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रतिज्ञा करने के आह्वान का जवाब था।
एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पी.एस.एस.सी.आई. वी.ई.एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल के सहयोग से भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव प्रतियोगिताओं का आह्वान किया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के छात्र जिनके पास व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम और प्रायोगिक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) प्रकोष्ठ हैं, वे 15 अगस्त से 5 सितंबर तक प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) प्रकोष्ठों के छात्र शिक्षकों के लिए **आज़ादी का अमृत महोत्सव गतिविधियों** को आयोजित करने का भी आह्वान किया है। वी.ई.एन.टी.ई.एल. छात्र शिक्षकों को अपने पड़ोस में किसी भी पेशा या व्यवसाय को चुनने, उस पेशा या व्यवसाय करने वाले व्यक्ति की पहचान, सराहना और सम्मान करने और 2 अक्टूबर से पहले सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट करने की आवश्यकता होती है।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मैं भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने देशवासियों को बधाई देता हूँ! इस शुभ अवसर को अपने परिसर में मनाने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. को हार्दिक बधाई! मैं श्री धर्मेंद्र प्रधान को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के एफ.डी.सी. परिसर के वीडियो उद्घाटन के लिए धन्यवाद देता हूं।

2 अक्टूबर को या उससे पहले ग्रामीण उत्पादों की ब्रांडिंग और प्रचार - **'एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम'** पर ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) के लिए आजादी का अमृत प्रतियोगिताओं के हिस्से के रूप में भी घोषणा की गई। पी.एम. एफ.एम.ई. योजना एक जिला एक उत्पाद अनुमोदित सूची से अपने जिले के उत्पाद की पहचान करने की योजना है, एक विपणन रणनीति तैयार करना जो बिक्री को बढ़ावा देने में मदद करता है, उत्पादन इकाई पर एक स्नैपशॉट लेना है और सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त नोट और हैशटैग के साथ पोस्ट करना है। प्रत्येक रेड सेल से सर्वश्रेष्ठ 3 प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाएगा। **सामाजिक उद्यमिता और सामुदायिक जुड़ाव की ब्रांडिंग और प्रचार** पर सामाजिक उद्यमिता स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) के लिए प्रतियोगिताओं की भी घोषणा की गई। आस-पास के गांव में एक सर्वोत्तम सामाजिक उद्यमिता अभ्यास की पहचान करना और 2 अक्टूबर को या उससे पहले सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट करना आवश्यक है। प्रत्येक एस.ई.एस.आर.ई. सेल से सर्वश्रेष्ठ 3 प्रविष्टियों को सम्मानित किया जाएगा।

वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन अवार्ड का समापन चरण के करीब हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. जिले के सभी कॉलेजों में स्वच्छता को प्रेरित करने और बढ़ावा देने के लिए 400 वर्चुअल अवार्ड कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए एच.ई.आई. को "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम की उपस्थिति में

निर्माण श्रमिकों का अभिनंदन - उन्होंने कठिन महामारी की स्थिति में काम किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. इन महान लोगों को सलाम करता है!

पौधे लगाना - एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा परिकल्पित विकास का वृक्ष!

भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी श्री किशन रेड्डी के साथ

केवल वे जो बहुत दूर जाने का जोखिम उठाते हैं, वे ही यह पता लगा सकते हैं कि कोई कितना दूर जा सकता है" - टी.एस. एलियट

वृक्ष रक्षाबंधन - *पेड़ों को राखी बांधना - वृक्षों की सार्वभौमिकता का उत्सव*

उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने पेड़ों के बारे में सम्मान, संरक्षण और जागरूकता पैदा करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आहवान का जवाब दिया

वृक्ष - सभी रूपों की जननी - सभी मनुष्यों की सहोदर प्रजाति

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वृक्ष रक्षा बंधन

रजरप्पाः मुरुबंदा स्थित रामगढ इंजीनियरिंग कॉलेज में रक्षा बंधन के पावन अवसर पर, पौधें को राखी बांधकर वृक्ष रक्षा बंधन मनाया गया। कैंपस में रहने वाले बच्चों ने पौधों को राखी बांधकर कार्यक्रम को शुरू किया। कार्यक्रम को संचालित करते हुए महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्य ने कहा कि हमलोगों ने इस वर्ष से इस कार्यक्रम को शुरू किया हैं और आने वाले हर साल हम इस शुभ दिन को हर्षोल्लास के साथ मनायेंगे। डॉ. नजमुल इस्लाम ने बताया कि हमें कॉलेज परिसर में एक पेड़ या झाड़ी के शाखा या तने के चारों ओर एक रिबन बांधकर प्रकृति माँ के लिए अपनी प्रेम-भावना को व्यक्त करना चाहिए और पौधे का पोषण और देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। कॉलेज परिसर में उपस्थित छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम शुरू किया गया और उन्होंने यह भी कहा की उनके इस कॉलेज से स्नातक करने के उपरांत उनके बाद आने वाले अवर छात्र द्वारा इस कार्यक्रम को मनाया जायेगा, जिससे आगे आने वाले समय में भी पेड़-पौधों का संरक्षण सुनिश्चित हो पाए।

'वृक्ष रक्षा बंधन', कार्यक्रम की शुरूआत चार साल के बालक रेहान इस्लाम ने की। उन्होंने रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में अपने ही पेड़ को अपनाकर इस कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में उप प्राचार्य डॉ. नजमुल इस्लाम, भास्कर दास, शालिनी मिश्रा, कोमल कुमारी, अभिनवा विश्वास, सोरीफुल इस्लाम, सुरजीत दत्ता, बिस्वजीत मलिक, रेहान इस्लाम आदि मौजूद थे।

NSS Unit MLSM College Su... · Follow

1m ·

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने रक्षा बंधन के पर्व पर पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी पहल की गई जिसमें स्वयंसेवियों द्वारा "वृक्षा रक्षा बंधन" बनाया जिसमे की स्वयं राखी बना कर पेड़ को बांधी गई तथा पेड़ो की सुरक्षा करने का प्रण लिया ।

#Vriksharakshabandhab_mgncre.

NSS Himachal Pradesh

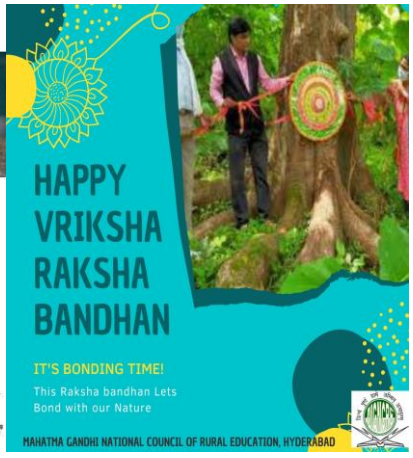

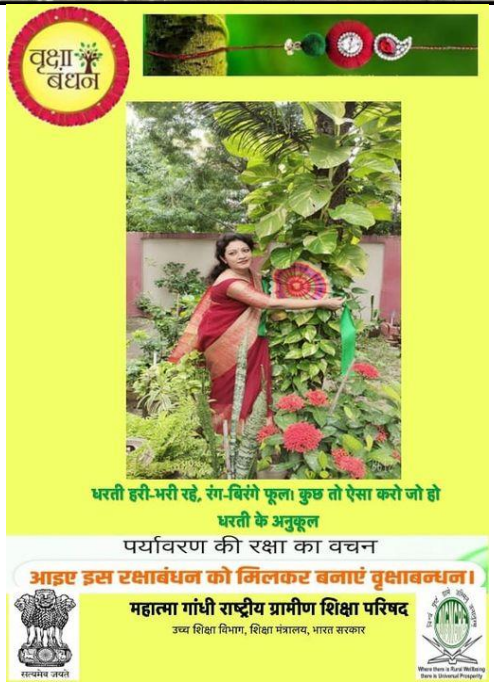

वर्ष 2021-22 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुसंधान परियोजनाएं (प्रमुख / लघु परियोजनाएं) और एम.जी.एन.सी.आर.ई. पी.एच.डी. अध्येताओं के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. भारतीय सार्वजनिक नीति शोधकर्ताओं और कार्यान्वयन समीक्षा / अनुसंधान संगठनों से

तथा

डॉक्टरेट अनुसंधान का अनुसरण करने वाले भारतीय सार्वजनिक नीति अनुसंधान विद्वान से

ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है

प्रस्तावित अध्ययन बहुविषयक हो सकता है या सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित हो सकता है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए प्राथमिकता क्षेत्र इस प्रकार हैं:

मानदंड राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की गई सार्वजनिक नीतियां हैं जो ग्रामीण भारत की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए या एक तत्व रखते हैं। अध्ययन के लिए पहचानी गई सार्वजनिक नीतियों में यह शामिल हैं:

1. एम.जी.एन.आर.ई.जी.ए.- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005
2. पी.एम.ए.वाई.-जी.- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण
3. स्वामित्व योजना
4. मिशन अंत्योदय
5. डी.डी.यू.जी.के.वाई.- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना
6. पी.एम.जी.एस.वाई.- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
7. एन.एस.ए.पी.- राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम
8. एस.पी.एम.आर.एम.- श्याम प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन
9. एस.अ.जी.वाई.-- सांसद आदर्श ग्राम योजना
10. सबकी योजना सबका विकास
11. ग्राम समृद्धि एवं ग्राम स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ ग्राम
12. डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. - दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन
13. ग्राम स्वराज अभियान
14. संपूर्ण ग्रामीण योजना
15. जल शक्ति अभियान और अटल भूजल योजना
16. आयुष्मान भारत: पी.एम. आरोग्य योजना
17. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रदर्शन और वितरण
18. आत्म निर्भर भारत और ग्रामीण भारत
19. किसान उत्पादक संगठन
20. पी.एम. किसान योजना
21. ग्रामीण सरोकारों को संबोधित करते हुए राज्य/केंद्र सरकार द्वारा किसी अन्य सार्वजनिक नीति का कार्यान्वयन
22. पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन
23. जल जीवन मिशन
24. समग्र शिक्षा जल सुरक्षा
25. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान
26. पी.एम. ग्रामीण विकास अध्येता
27. पी.एम. उजाला योजना
28. उजाला योजना
29. पी.एम. एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम

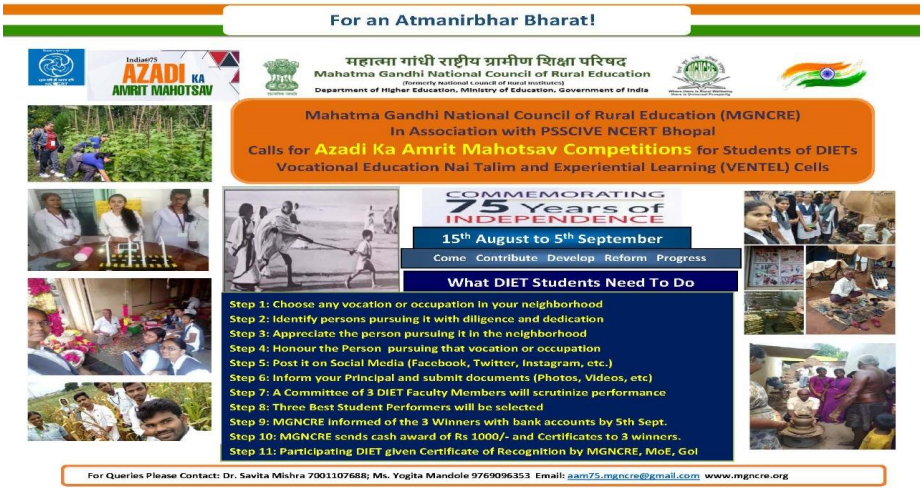

"हर परिसर में एक हरित नीति होनी चाहिए। समय-समय पर ऑडिट परिसरों में स्वच्छता, स्वास्थ्य और जल संरक्षण सुनिश्चित करेंगे।" सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सी.एस.ई.) द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में प्रतिष्ठित पैनल को संबोधित करते हुए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष ने कहा।

सी.एस.ई. ने अपने नए प्रकाशन - **ग्रीन कैंपस मूवमेंट** - और पूरे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से एक वेबिनार की ऑनलाइन रिलीज का आयोजन किया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अनुमिता रॉय चौधरी, कार्यकारी निदेशक, अनुसंधान और वकालत सी.एस.ई., रजनीश सरीन, कार्यक्रम निदेशक, सतत भवन और आवास कार्यक्रम, सी.एस.ई., मिताशी सिंह, उप प्रोग्राम मैनेजर सस्टेनेबल बिल्डिंग्स एंड हैबिटेट प्रोग्राम, एम. एस. श्यामसुंदर, एडवाइजर, एन.ए.ए.सी., बी. एस. प्रभाकर, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंट जोसेफ कॉलेज बेंगलूरु, अश्विनी लूथरा, डायरेक्टर, इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर के साथ प्रतिष्ठित वक्ताओं में से एक थे। वेबिनार में प्रतिभागियों ने उन अवसरों पर चर्चा की जो शैक्षिक परिसरों के लिए न केवल व्यावहारिक सीखने के लिए अपने सूक्ष्म-कोसिस्टम को बदलने के लिए, बल्कि स्थिरता के लिए मापनीय प्रभाव बनाने के लिए भी मौजूद हैं।
सी.एस.ई. ने एक 'हरित परिसर पहल' शुरू की है, जिसके तहत उच्चतर शिक्षा संस्थानों का एक नेटवर्क और 'हरित परिसरों का मंच' विकसित और स्थापित किया गया है। फोरम के सदस्यों ने अपने संसाधनों के पदचिह्न और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध किया है और भूमि, वायु, जल, ऊर्जा और अपशिष्ट के विषयों पर अपनी पहल और कार्य योजनाओं की रूपरेखा तैयार की है।

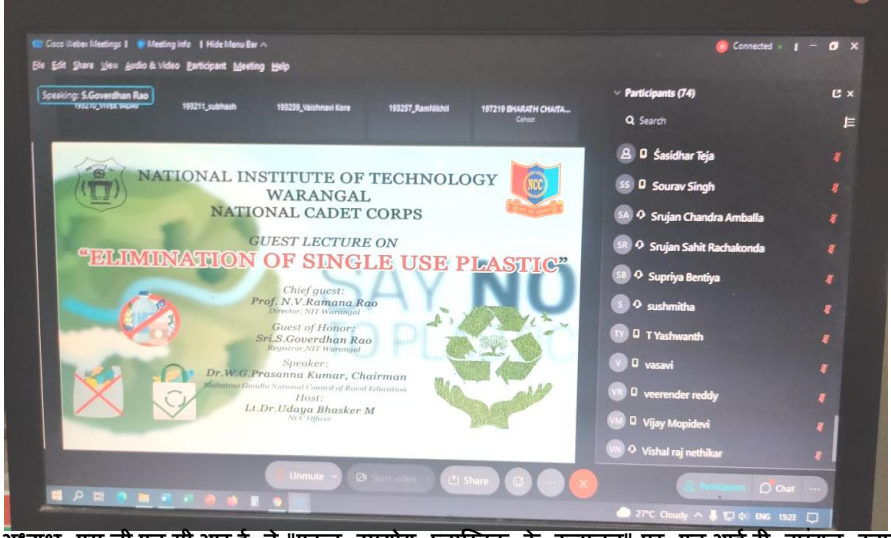

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने "एकल उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन" पर एन.आई.टी. वारंगल द्वारा आयोजित एक वेबिनार में अतिथि व्याख्यान दिया। सत्र का आयोजन संस्थान के एन.सी.सी. सेल द्वारा किया गया था। प्लास्टिक के उपयोग के पक्ष और विपक्ष के कई पहलू और जागरूकता पैदा करने और प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए कार्रवाई शुरू करने की आवश्यकता फोकस के प्रमुख क्षेत्र थे।

डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन पुरस्कार

निर्धारित 400 में से 385 "वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कार कार्यक्रम आज तक ऑनलाइन आयोजित किए गए हैं, जिसमें जिला कलेक्टर / मजिस्ट्रेट / आयुक्तों ने विजेता संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पहले स्वच्छता और स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों (एच.ई.आई.) को 400 " वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन" पुरस्कारों की घोषणा की थी।

#	राज्य	शामिल जिले
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	1
2	आंध्र प्रदेश	12
3	अरुणाचल प्रदेश	3
4	असम	15
5	बिहार	10
6	चंडीगढ़	1
7	छत्तीसगढ	3
8	दमन और दीव	1
9	दिल्ली (एन.सी.टी.)	3
10	गोवा	2
11	गुजरात	25
12	हरियाणा	19
13	हिमाचल प्रदेश	10
14	जम्मू और कश्मीर	4
15	झारखंड	10
16	कर्नाटक	20
17	केरल	14
18	मध्य प्रदेश	11
19	महाराष्ट्र	29
20	मणिपुर	4
21	मेघालय	2
22	नगालैंड	3
23	उड़ीसा	11
24	पुदुचेरी	2
25	पंजाब	12
26	राजस्थान	14
27	सिक्किम	1
28	तमिलनाडु	34
29	तेलंगाना	27
30	त्रिपुरा	3
31	उत्तर प्रदेश	62
32	उत्तराखंड	4
33	पश्चिम बंगाल	13
	कुल	**385**

तारीख / Date:- 07-August-2021
ज्ञापनसंख्या/ Memo no: MoE/Swacchta Action Plan/2020-21/August' 21/035/200

सत्यमेव जयते

भारतसरकार / Government of India
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद / Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चशिक्षाविभाग/Department of Higher Education
शिक्षामंत्रालय / Ministry of Education

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

District Green Champion Certificate

This is to certify that T.M.A.E. Society College of Education, Gangavathi, is hereby recognized as District Green Champion for Koppal District Karnataka State for the Academic Year 2020-21. The Institution has successfully set up the Swachhta Action Plan Committee, adopted and implemented best practices in the areas of Sanitation, Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Management and Greenery Management.

This certificate is awarded in the presence of ,

Shri. Suralkar Vikas Kishor, I.A.S., Deputy Commissioner, Koppal, Karnataka

August 2021

Dr W G Prasanna Kumar
Chairman
MGNCRE, Ministry of Education
Government of India

सैंपल डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन अवार्ड सर्टिफिकेट

ग्रीन चैंपियन अवार्ड्स के मीडिया कवरेज की झलक

ग्रीन चैंपियन अवार्ड से एटा डायट सम्मानित

कलक्ट्रेट सभागार में वर्चुअल बैठक में दिया गया अवार्ड

डायट प्राचार्य डॉ. जितेंद्र सिंह को प्रशस्तिपत्र देते डीएम अंकित अग्रवाल। संवाद

GDC, Chenani launched an 'ACTION AND RESEARCH BASED CAMPAIGN' on COVID appropriate behaviour & Vaccination promotion from 9th to 24th August 2021 under MGNCRE, GOI

گورنمنٹ ڈگری کالج چنینی کے زیر اہتمام کووڈ سے متعلق جاری مہم اختتام پذیر

این ایس ایس رضاکاروں نے مقامی سیاحوں کو آگاہی پیغام دیا

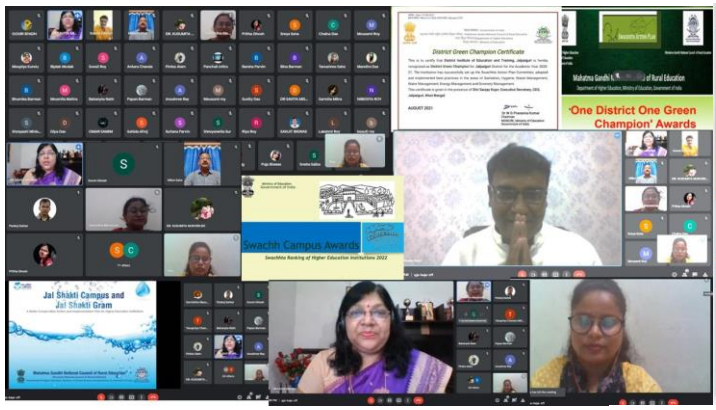

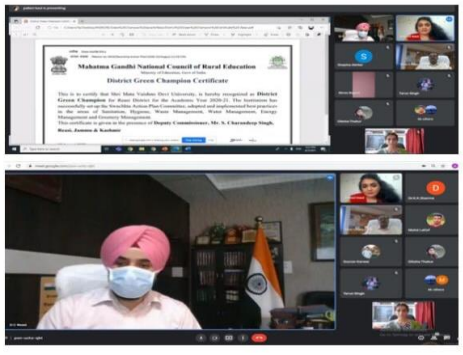

व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा

*प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अक्सर वर्ष 2022 तक एक नए, आत्मानिर्भर भारत के निर्माण के अपने दृष्टिकोण को साझा किया है। भारत भारतीय स्वतंत्रता की अपनी 75 वीं वर्षगांठ (आजादी का अमृत महोत्सव) के करीब है। इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने के लिए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एक लचीला और पुनरुत्थानशील भारत के लिए अपने दायरे में गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने डाइट के उन छात्रों के लिए आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रतियोगिताओं का आह्वान किया है, जिन्होंने 15 अगस्त से 5 सितंबर 2021 तक व्यावसायिक शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया है। छात्र विभिन्न व्यावसायिक शिक्षा गतिविधियों में भाग लेंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा और डाइट को सम्मानित किया जाएगा! एम.जी.एन.सी.आर.ई. भारत के सभी राज्यों में प्रत्येक जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कार्यशालाओं के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा पर कार्रवाई करने पर काम कर रहा है। प्रत्येक संस्थागत स्तर की कार्यशाला में व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा पर चर्चा होती है। इसमें कार्यशाला में उपकरणों के उपयोग के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा के अनुभवात्मक शिक्षण की खोज करने वाले प्रतिभागी भी शामिल हैं। खोजी गई विषय पद्धति में गणित, सामाजिक विज्ञान, भाषा और विज्ञान शामिल हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भारत भर में **डाइट में 191 कार्यशालाएँ** आयोजित की हैं। डाइट की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है और छात्र-शिक्षकों ने व्यावसायिक शिक्षा पर काम करने और एन.ई.पी. 2020 के कार्यान्वयन के प्रति अपने दृष्टिकोण में उत्साह दिखाया है। कार्यशालाओं में चर्चा नई तालीम और विषय पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षा के आसपास के विषय और विभिन्न विषय पद्धतियों के लिए उपकरण उपयोग के आसपास रही है। ये कार्यशालाएँ ज्ञान-गृह रही हैं जिनमें सूचना साझा करने और कक्षा अध्यापन और विषयों के सीखने पर छात्र-शिक्षक की बातचीत होती है।*

डाइट कार्यशालाओं का स्नैपशॉट

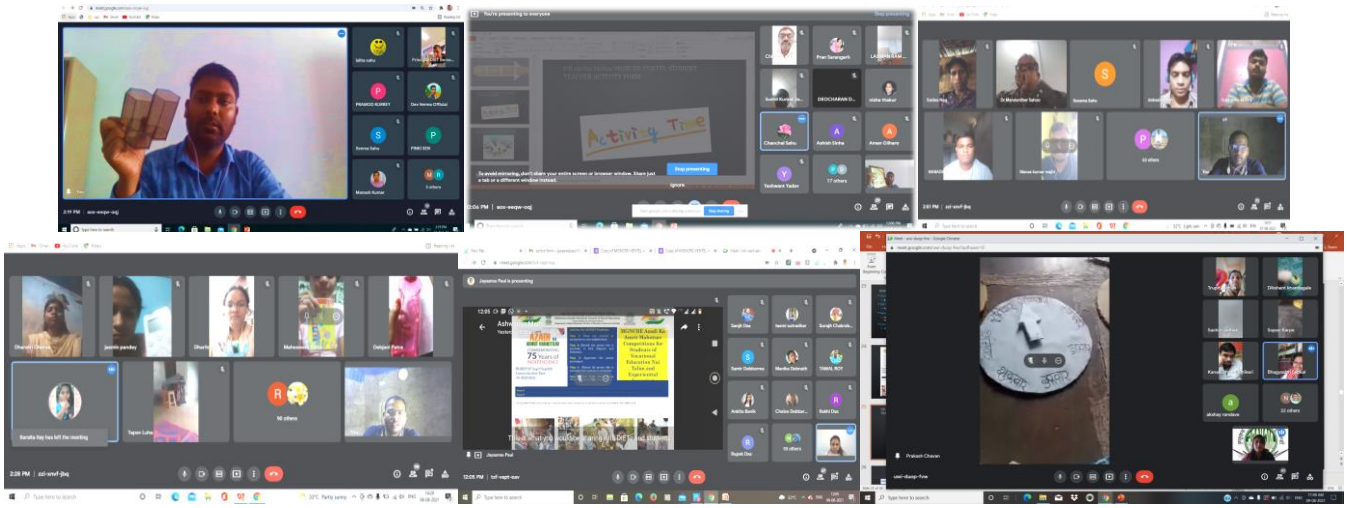

ग्रामीण प्रबंधन / ग्रामीण उद्यमिता

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

1. प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़
2. श्री संगमेश्वर कला और वाणिज्य कॉलेज, विजयपुरा, कर्नाटक

- विपणन, एच.आर.एम., एम.आई.एस. और ग्रामीण प्रबंधन के लिए संचालन पाठ्यक्रमों में स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड के संकाय के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण प्रबंधन और अन्य गतिविधियों में पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए मनोमानियन सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनलवेली, तमिलनाडु में राउंड टेबल सम्मेलन आयोजित किया गया था।
- 15 अगस्त को क्राइस्ट कॉलेज बेंगलुरु द्वारा आयोजित कोविड 19 संबंधित सामुदायिक जुड़ाव के बारे में जागरूकता के लिए बनाई गई सर्वश्रेष्ठ वीडियो क्लिपिंग को जज करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति पैनल सदस्य के रूप में गए।
- 10 उच्चतर शिक्षा संस्थान आगामी शैक्षणिक वर्ष में बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार हैं।

"मैं कॉलेज शिक्षा में क्रांति लाऊंगा और इसे राष्ट्रीय आवश्यकताओं से मिलाऊंगा" - महात्मा गांधी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पुर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया .वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.
द्वारा प्रकाशित और मुद्रित (टेम्प: आर.एन.आई. टाइटिल कोड TELENG00794) मूल्य: रु.5/-